

# अनुक्रमणिका

1.	अंक व संख्या (Points & Number)	1-7
2.	वर्णमाला परीक्षण (Alphabet Test)	8-22
3.	कोडिंग-डिकोडिंग (Coding-Decoding)	23-46
4.	घड़ी (Clock)	47-65
5.	समय सम्बन्धी प्रश्न (Time Related Questions)	66-68
6.	कैलेंडर (Calender)	69-82
7.	घन और पासा (Cube & Dice)	83-116
8.	वर्गीकरण (Classification)	117-138
9.	तार्किक वेन आरेख (Logical Venn Diagram)	139-153
10.	न्याय वाक्य (Syllogism)	154-175
11.	कथन-निष्कर्ष (Statement Conclusion)	176-187
12.	कथन-पूर्वानुमान (Statement-Assumption)	188-191
13.	चिह्न निष्कर्ष (Sign Conclusion)	192-212
14.	क्रम परीक्षण (Ranking Test)	213-228
15.	आकृतियाँ गिनना (Counting Figure)	229-250
16.	बौद्धिक प्रश्न (Intellectual Question)	251-265
17.	दिशा एवं दूरी (Direction & Distance)	266-293
18.	गणितीय सक्रियाएँ (Mathematical Operation)	294-308
19.	व्यवस्थित क्रम (Sitting Arrangement)	309-325
20.	श्रृंखला (Series)	326-345



21.	विलुप्त संख्या ज्ञात करना (Inserting the Missing Number)	346-374
22.	सादृश्यता (Analogy)	375-404
23.	रक्त सम्बन्ध (Blood Relation)	405-426
24.	कथन की सत्यता (Truth of Statement)	427-431
25.	पहेली परीक्षण (Puzzle Test)	432-441
26.	सार्थक क्रम (Proper Order)	442-450
27.	समूहन (Grouped)	451-453
28.	वेन आरेख (Venn Diagram)	454-471
29.	मैट्रिक्स (Matrix)	472-475
30.	प्रायिकता (Probability)	476-484
31.	दर्पण प्रतिबिम्ब (Mirror Image)	485-491
32.	जल प्रतिबिम्ब (Water Image)	492-497
33.	कागज काटना (Paper Cutting)	498-503
34.	वर्गीकरण परीक्षण (Classification Test)	504-520
35.	आकृति पूर्ति (Completion of Figure)	521-525
36.	सन्निहित आकृति (Embedded Figure)	526-528
37.	आकृति सादृश्यता (Figure Analogy)	529-531
38.	श्रेणी (Series)	532-534
•	एस.एस.सी. प्रारम्भिक परीक्षा, (Mock Test Paper)	535-540
•	आर.पी.एफ./आर.पी.एस.एफ. काँस्टेबल भर्ती परीक्षा, (Mock Test Paper)	541-554
•	IAS Pre. – Mock Test Paper	555-557
■	Challenging Questions	558-560



## CHAPTER

## 1

अंक व संख्या  
(Points & Number)

आज की प्रतियोगिता परीक्षाओं में रीजनिंग विषय में सफलता पाने के लिए हमें गणित विषय पर आधारित सामान्य संक्रियाओं (जोड़, बाकी, गुणा, भाग, बारम्बारता, अंक व संख्याओं) की जानकारी होना अति आवश्यक है। बारम्बारता सम्बन्धित प्रश्न रेलवे, SSC की परीक्षाओं में लगभग 3 से 4 होते हैं।

समय के अभाव को देखते हुए इन्हें शीघ्र हल करने के लिए कुछ Tricks यहाँ दी जा रही है। इनका नियमित अभ्यास आवश्यक है।

## संख्या (Number)

विभिन्न अंकों को इकाई, दहाई, सैंकड़ा, हजार..... के स्थान पर रखने से जो पद प्राप्त होता है वह संख्या कहलाती है।

1. प्राकृत संख्यायें (Natural Number)– 0 से बड़ी सभी संख्यायें (1, 2, 3, 4, 5 .....  $\infty$ ) प्राकृत संख्यायें कहलाती हैं। इनमें शून्य (0) शामिल नहीं है। प्राकृत संख्यायें अनन्त तक होती हैं, जैसे– 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, .....  $\infty$

2. पूर्ण संख्यायें (Whole Number)– प्राकृत संख्याओं में शून्य को शामिल करने के बाद संख्याओं का जो समुच्चय या परिवार बनता है, उन्हें पूर्ण संख्यायें कहते हैं। जैसे– 0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, .....  $\infty$

3. पूर्णांक संख्यायें (Integer Number)– जब पूर्ण संख्याओं को धनात्मक और ऋणात्मक चिन्हों द्वारा दर्शाया जाता है, तो उनसे बना समुच्चय पूर्णांक संख्यायें कहलाती है। जैसे– ..... -4, -3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, 4 .....

4. भाज्य संख्यायें (Composite Number)– वे प्राकृत संख्यायें जो 1 व अपने अलावा किसी अन्य संख्या से विभाजित हो सके अर्थात् 1 व स्वयं के अलावा भी अन्य संख्या का भाग जाता है उसे भाज्य संख्या कहते हैं। जैसे– 4, 6, 8, 9,

10, 12, 14, 15, 16, 18, 20, 21, 22, 24, 25, 26, 27, 28, 30, 32, 33, 34, 35, 36, 38, 39, 40, 42, 44, 45, 46, 48, 49, 50.

1 से 50 तक कुल भाज्य संख्यायें = 34

5. अभाज्य संख्यायें (Prime Number)– वे प्राकृत संख्यायें जो स्वयं से या 1 से विभाजित हो अन्य से नहीं, अभाज्य संख्यायें कहलाती हैं। जैसे– 2, 3, 5, 7, 11, 13, 17, 19, 23, 29, 31, 37, 41, 43, 47, 53, 59, 61, 67, 71, 73, 79, 83, 89, 97, 101, 103, 107, 109, 113.

1 से 25 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 9

1 से 50 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 15

1 से 75 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 21

1 से 100 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 25

1 से 125 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 30

1 से 150 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 35

1 से 175 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 40

1 से 200 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 46

1 से 300 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 62

1 से 400 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 78

1 से 500 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 95

1 से 1000 तक कुल अभाज्य संख्याएँ = 168

6. सम संख्यायें (Even Number)– वे प्राकृत संख्यायें जो 2 से विभाजित होती हैं वे सम संख्यायें कहलाती हैं अर्थात् जिनके अंत में 0, 2, 4, 6 व 8 हो। जैसे– 2, 4, 6, 8, 10, 12, ..... इत्यादि।

7. विषम संख्यायें (Odd Number)– वे प्राकृत संख्यायें जो 2 से पूर्णतया विभाजित नहीं होती हैं वे विषम संख्यायें कहलाती हैं अर्थात् जिनके अंत में 1, 3, 5, 7 व 9 हो। जैसे– 1, 3, 5, 7, 9, 11, ..... इत्यादि।



### महत्त्वपूर्ण बिन्दु

गणित में कुल 10 अंक होते हैं।

0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9

सबसे छोटी पूर्ण संख्या = 0

सबसे छोटी प्राकृत संख्या = 1

सबसे छोटी विषम संख्या = 1

सबसे छोटी सम संख्या = 2

सबसे छोटी अभाज्य संख्या = 2

सबसे छोटी भाज्य संख्या = 4

प्रथम विषम भाज्य संख्या = 9

प्रथम विषम अभाज्य संख्या = 3

गणित का मैजिक अंक = 9

- दो अंकों की संख्या और उसके अंकों की स्थिति को अदल-बदल कर देने से बनने वाली संख्याओं का अंतर हमेशा 9 से विभाजित होगा।

### गिनती से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण तथ्य

**Q. 1.** 1 से 100 तक की गिनती में सर्वाधिक बारम्बारता किस अंक की होती है?

**Ans.** 1 अंक की (21 बार) {20 संख्याओं में}

**Q. 2.** 1 से 100 तक की गिनती में न्यूनतम बारम्बारता किस अंक की होती है?

**Ans.** 0 अंक की (11 बार) {10 संख्याओं में}

**Q. 3.** 1 से 100 तक की गिनती में 5 कितनी बार आता है?

**Ans.** 20 बार {19 संख्याओं में}

नोट-1 से 100 तक की गिनती में 0 व 1 अंक को छोड़कर बाकी सभी अंक 20 बार आते हैं।

**Q. 4.** 101 से 200 तक की गिनती में 1 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 119 बार

100 से ऊपर की संख्या में बारम्बारता बताने की विधि-ऐसे प्रश्नों में शुरुआती अंक 119 बार आता है जबकि अंतिम अंक 21 बार आता है, बाकी सभी अंक 20 बार आते हैं।

जैसे-101 से 200 तक की गिनती में शुरुआती अंक 1 है जो 119 बार आयेगा जबकि अंतिम अंक 2 है जो 21 बार आयेगा, इनके अलावा सभी अंक 20 बार आयेंगे।

**Q. 5.** 401 से 500 तक की गिनती में 5 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 21 बार

**Q. 6.** 701 से 800 तक की गिनती में 6 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 20 बार

**Q. 7.** 1 से 300 तक की गिनती में 5 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 1 से 100 तक में = 20 बार  
101 से 200 तक में = 20 बार  
201 से 300 तक में = 20 बार  
= 60 बार

**Q. 8.** 1 से 500 तक की गिनती में 8 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 1 से 100 तक में = 20 बार  
101 से 200 तक में = 20 बार  
201 से 300 तक में = 20 बार  
301 से 400 तक में = 20 बार  
401 से 500 तक में = 20 बार  
= 100 बार

**Q. 9.** 401 से 600 तक की गिनती में 4 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 401 से 500 तक में = 119 बार  
501 से 600 तक में = 20 बार  
= 139 बार

**Q. 10.** 601 से 900 तक की गिनती में 9 अंक कितनी बार आता है?

**Ans.** 601 से 700 तक में = 20 बार  
701 से 800 तक में = 20 बार  
801 से 900 तक में = 21 बार  
= 61 बार



## CHAPTER

## 3

कोडिंग-डिकोडिंग  
(Coding-Decoding)

किसी अक्षर/शब्द/वाक्य को किसी सांकेतिक भाषा में लिखने की प्रक्रिया को कूटलेखन/कोडिंग कहते हैं तथा किसी सांकेतिक भाषा में लिखे अक्षर/शब्द/वाक्य को उसके मूल या वास्तविक अर्थ में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को कूटवाचन/डिकोडिंग कहते हैं।

इस तरह के प्रश्नों का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थी के कूटलेखन करने की योग्यता तथा कूटलेखन को कूटवाचन करके उसके वास्तविक अर्थ को समझने की योग्यता की जाँच करना होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अभ्यर्थी को कूटलेखन की प्रक्रिया का भली-भाँति ज्ञान होना आवश्यक है।

अंग्रेजी वर्णमाला से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य निम्नलिखित हैं—


**अक्षरों की वर्णमाला क्रम में स्थिति**

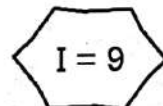
अंग्रेजी भाषा में कुल 26 अक्षर या वर्ण (Letter) होते हैं। अक्षर A से Z तक के सुव्यवस्थित अक्षर-समूह को अंग्रेजी वर्णमाला कहते हैं। अंग्रेजी वर्णमाला में प्रत्येक अक्षर का अपना एक निश्चित क्रमांक होता है। जिसे उस अक्षर का क्रमांक/संगत संख्या कहते हैं। जैसे—A की संगत संख्या 1, B की संगत संख्या 2, Z की संगत संख्या 26, Y की संगत संख्या 25 है।

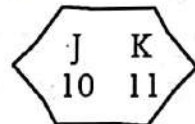
**अंग्रेजी अक्षर**

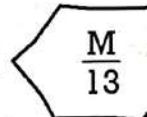
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
N	O	P	Q	R	S	T	U	V	W	X	Y	Z
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26


A	B	C	D	E	J	O	T	Y	X	Y	Z
1	2	3	4	5	10	15	20	25	24	25	26



 H की आकृति को ऊपर-नीचे से मिलाने पर 8 जैसा दिखाई देता है।  
 G-7 सम्मेलन होता है।



 क्योंकि I को हम 9 यूँ भी लिखते हैं।



 जम्मू-कश्मीर 10-11


 मेरा-तेरा


 L.N. में पढ़ो 12 से 14


 Page नम्बर-16  
Question नम्बर -17


 RST गाड़ियों के नम्बर  
T को Twenty भी समझ सकते हैं


 Ultra-Violet-Wave

**अक्षरों के विपरीत अक्षर**

अंग्रेजी वर्णमाला में कुल 26 अक्षर होते हैं। वर्णमाला क्रम में पहला अक्षर A, दूसरा अक्षर B, तीसरा अक्षर C होता है और वर्णमाला क्रम में अन्त



9	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = 36 ÷ 4 = <b>9</b> योग में अक्षरों की संख्या का भाग
18	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = $\frac{36}{2}$ = <b>18</b> योग का आधा
63	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = 36 → <b>63</b> योग का उल्टा
18	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = 36 → 3×6 → <b>18</b> योग के अंकों का गुणा
72	8 1 18 9 H A R I → 19+26+9+18 → <b>72</b> विपरीत अक्षरों का योग
8199	8 1 18 9 (8)(1)(1+8=9)(9) H A R I → 8 1 18 9 → <b>8199</b> क्रमांकों को इकाई अंक बनाकर लिखना
1296	8 1 18 9 H A R I → 8×1×18×9 = <b>1296</b> क्रमांकों को आपस में गुणा करके लिखना
3	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = 36 → (6-3) → <b>3</b> योग के अंकों का अन्तर

144	8 1 18 9 H A R I → 8+1+18+9 = 36 × 4 = <b>144</b> क्रमांकों के योग को अक्षरों की संख्या से गुणा
-----	---

**Ex.** यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'BAT' को '23' लिखा जाता है, तो उसी सांकेतिक भाषा में 'HAN' को कैसे लिखा जाएगा?

- (a) 23 (b) 24  
(c) 26 (d) 27

हल—(a)

जिस प्रकार BAT → 2 + 1 + 20 = **23**

उसी प्रकार HAN → 8 + 1 + 14 = **23**

अतः HAN = 23 होगा।

### Type - 2

#### निश्चित कोडिंग (Fix Coding)

दिये गये शब्दों में समान अक्षर का समान क्रम पर समान कोड मिले तो उसे निश्चित कोडिंग कहते हैं। इसके अन्तर्गत किसी अक्षर-समूह या शब्द के प्रत्येक अक्षर का कूटलेखन दो या दो से अधिक दिये गये कूटों की समानता के आधार पर किया जाता है।

**Ex.** यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'TIRE' को 2357 तथा 'DEAL' को 8714 लिखा जाता है, तो उसी सांकेतिक भाषा में 'DEAR' को कैसे लिखा जाएगा?

- (a) 8715 (b) 7815  
(c) 5187 (d) 8751

हल—(a)

जिस प्रकार T I E R तथा D E A L

↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓  
2 3 5 7 8 7 1 4

उसी प्रकार D E A R अतः DEAR = 8715

↓ ↓ ↓ ↓  
**8 7 1 5**



## CHAPTER

## 6

कैलेण्डर  
(Calender)

1. साधारण वर्ष (General Year) — जिस सन् या वर्ष में चार का पूरा-पूरा भाग नहीं जाता है वह वर्ष साधारण वर्ष कहलाता है। जैसे- 1937, 1999, 2009, 2025 आदि।
2. लीप वर्ष (Leap Year) — जिस सन् या वर्ष में चार का पूरा-पूरा भाग चला जाता है वह वर्ष लीप वर्ष कहलाता है। जैसे- 1936, 1948, 2012, 2016, 2024 आदि।
3. लीप शताब्दी वर्ष — जिस शताब्दी वर्ष में 400 का पूरा-पूरा भाग चला जाता है वह शताब्दी वर्ष लीप शताब्दी वर्ष कहलाता है।
4. साधारण वर्ष में  $365\frac{1}{4}$  दिन व 52 सप्ताह 1 दिन होते हैं।
5. लीप वर्ष में 366 दिन व 52 सप्ताह 2 दिन होते हैं।
6. साधारण वर्ष में फरवरी के महीने में 28 दिन व लीप वर्ष में 29 दिन होते हैं।
7. साधारण वर्ष की शुरुआत जिस वार से होती है उसी वार से साधारण वर्ष समाप्त होता है।
8. लीप वर्ष के शुरुआत के वार व समाप्ति के दिन में 1 दिन का अंतर रहता है।

9. लगातार 100 वर्षों में कम से कम 24 व अधिकतम 25 लीप वर्ष होते हैं तथा लगातार 400 वर्षों में लीप वर्षों की संख्या 97 होती है।
10. साधारण वर्ष में निम्नलिखित महीनों का कैलेण्डर समान होता है—

**ट्रिक—** जनअक के फरमान से अंजु ने सिद्धि प्राप्त की

जनवरी - अक्टूबर  
फरवरी - मार्च - नवम्बर  
अप्रैल - जुलाई  
सितम्बर - दिसम्बर

11. एक लीप वर्ष में निम्न महीनों के पंचांग समान होते हैं—

**Trick :** जनअंजू ने फिर अगस्त में मान सिद्ध किया

जनवरी-अप्रैल-जुलाई  
फरवरी-अगस्त  
मार्च-नवम्बर  
सितम्बर-दिसम्बर

12. सप्ताह का प्रथम दिन सोमवार व अन्तिम दिन रविवार होता है।
13. 1 A.D. (1 ईस्वी सन्) को सोमवार था।

## Type - I

## वार ज्ञात करने की विधि

महीनों के नाम	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
साधारण वर्ष	0	3	3	6	1	4	6	2	5	0	3	5
लीप वर्ष	6	2	3	6	1	4	6	2	5	0	3	5

शताब्दी	1600	1700	1800	1900	2000	2100	2200	2300	2400	2500	2600	2700
शताब्दी कोड	6	4	2	0	6	4	2	0	6	4	2	0

$$\text{सूत्र—} \frac{A+B+C+D+E}{7}$$

यहाँ A = दिनांक

B = वर्ष या सन् के अंतिम दो अंक

C = महीने का कोड



**Ex.** यदि 15 अगस्त, 2012 को शनिवार हो, तो 10 अक्टूबर, 2012 को कौनसा वार होगा?

- (a) शनिवार (b) मंगलवार  
(c) बुधवार (d) शुक्रवार

हल—(a)  $\frac{16+30+10}{7} = \frac{56}{7} = 0$  शेष

शनिवार + 0 = शनिवार

#### Type - IV

#### वर्षों के अन्तर से सवाल

इस प्रकार के प्रश्नों में कम से कम 1 वर्ष व अधिकतम कितने भी वर्षों के अन्तर से प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

**Ex.** यदि 1 जनवरी, 2007 को रविवार हो, तो 1 जनवरी, 2008 को क्या वार होगा?

- (a) शुक्रवार (b) बुधवार  
(c) मंगलवार (d) सोमवार

हल—(d) यदि सामान्य वर्ष में 1 वर्ष का अन्तर हो, तो 1 दिन का अन्तर रहता है।

$$\begin{bmatrix} 1 \text{ जनवरी } 2007 = \text{रविवार} \\ 1 \text{ जनवरी } 2008 = ? \end{bmatrix}$$

1 साधारण वर्ष = 1 दिन

रविवार + 1 दिन = सोमवार

**Ex.** यदि 1 जनवरी, 1972 को मंगलवार हो, तो 1 जनवरी, 1976 को क्या वार होगा?

- (a) मंगलवार (b) सोमवार  
(c) रविवार (d) शनिवार

हल—(c)  $\begin{bmatrix} 1 \text{ जनवरी } 1972 = \text{मंगलवार} \\ 1 \text{ जनवरी } 1976 = ? \end{bmatrix}$  4 साल

का अंतर

यदि लीप वर्ष में 1 वर्ष का अन्तर हो, तो 2 दिन का अन्तर रहता है।

1 लीप वर्ष + 3 साधारण वर्ष

2 + 3 = 5 दिन

मंगलवार + 5 दिन = रविवार

#### Type - V

कल, परसों, पहले, बाद पर आधारित प्रश्न

बीता हुआ	आने वाला	अन्तर
कल	कल	2 दिन
परसों	परसों	4 दिन
कल	परसों	3 दिन
परसों	कल	3 दिन

**Ex.** यदि बीता हुआ परसों रविवार था, तो आने वाला परसों क्या वार होगा?

- (a) बुधवार (b) गुरुवार  
(c) शुक्रवार (d) शनिवार

हल—(b) परसों—परसों = अन्तर 4 दिन

इसलिए रविवार + 4 = गुरुवार होगा।

नोट : यदि बीता हुआ वार देकर आने वाले समय का वार पूछे तो वार में अन्तर को जोड़ देते हैं व आने वाला समय देकर बीता हुआ वार पूछे तो अन्तर को घटा देते हैं।

#### Type - VI

छोटे व बड़ों के जन्म वार पर आधारित प्रश्न

**Ex.** सविता, सीमा से 562 दिन बड़ी है। सीमा, ललिता से 456 दिन बड़ी है। यदि सविता का जन्म सोमवार को हुआ हो, तो बताओ ललिता का जन्म किस वार को हुआ था?

- (a) बुधवार (b) गुरुवार  
(c) शुक्रवार (d) शनिवार

हल—(b)

$$\begin{aligned} & \text{सविता} > \text{सीमा} > \text{ललिता} \\ & \text{जन्म वार} - \text{सोमवार} \quad ? \\ & \quad \swarrow 562 \text{ दिन} \quad \nwarrow 456 \text{ दिन} \\ & \quad = \frac{1018}{7} = 3 \text{ दिन} \end{aligned}$$

अतः सोमवार + 3 = गुरुवार



CHAPTER  
31

# दर्पण प्रतिबिम्ब (Mirror Image)

दर्पण में किसी अक्षर/शब्द/संख्या/वस्तु/आकृति/संकेत का जो काल्पनिक प्रतिरूप बनता है। उसे उस अक्षर/शब्द/अंक/संख्या/वस्तु/आकृति/संकेत का दर्पण प्रतिबिम्ब कहते हैं।

मूल प्रतिरूप                      दर्पण प्रतिरूप  
(काल्पनिक प्रतिरूप)

S                      2  
5                      2

उपरोक्त दोनों आकृतियों (अक्षर व अंक) से यह स्पष्ट होता है कि दर्पण प्रतिबिम्ब में वस्तु/अक्षर/शब्द/संख्या का बायाँ भाग दाईं ओर तथा दायाँ भाग बाईं ओर स्थानान्तरित हो जाता है और ऊपर व नीचे का भाग स्थिर रहता है।

## MIRROR IMAGES OF NUMBERS

Numbers	Mirror-Images	Numbers	Mirror-Images
1	1	6	9
2	5	7	7
3	3	8	8
4	4	9	6
5	2	0	0

अंकों में 0 व 8 अंक का दर्पण प्रतिबिम्ब मूल अंक के समान होते हैं।

## MIRROR IMAGES OF CAPITAL LETTERS

Letters	Mirror-Images	Letters	Mirror-Images	Letters	Mirror-Images
A	A	J	I	S	2
B	B	K	X	T	T
C	C	L	I	U	U
D	D	M	M	V	V
E	E	N	N	W	W
F	F	O	O	X	X
G	G	P	Q	Y	Y
H	H	Q	Q	Z	3
I	I	R	R	-	-

बड़ी अंग्रेजी वर्णमाला के निम्नलिखित 11 अक्षर के दर्पण प्रतिबिम्ब मूल अक्षर के समान होते हैं—

A, H, I, M, O, T, U, V, W, X, Y

ट्रिक— A HI MOTU VWXY

## MIRROR IMAGES OF SMALL LETTERS

Letters	Mirror-Images
a	6
b	d
c	c
d	b
e	3
f	f
g	9
h	h
i	i
j	j
k	k
l	l
m	m
n	n
o	o
p	q
q	p
r	r
s	2
t	t
u	u
v	v
w	w
x	x
y	y
z	3



# CHAPTER 23

## रक्त सम्बन्ध (Blood Relation)

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच अपने पूर्वजों द्वारा किये गये सन्तानोत्पत्ति के आधार पर बनाया गया आपसी मधुर, सद्भावनापूर्ण, सुदृढ़ रिश्ता या सम्बन्ध रक्त सम्बन्ध कहलाता है।

पीढ़ी के अनुसार व्यक्तियों के बीच के सम्बन्ध का नाम नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है—

पीढ़ी	पुरुष (Male)	महिला (Female)
तीन पीढ़ी ऊपर ↑↑↑	(i) परदादा (Great grand father) (ii) परनाना (Great maternal grand father) (iii) परदादा/नाना ससुर (Great grand father-in-law)	(i) परदादी (Great grand mother) (ii) परनानी (Great maternal grand mother) (iii) परदादी/नानी सास (Great grand mother-in-law)
दो पीढ़ी ऊपर ↑↑	(i) दादा (Grand father) (ii) नाना (Maternal grand father) (iii) दादा/नाना ससुर (Grand father-in-law)	(i) दादी (Grand mother) (ii) नानी (Maternal grand mother) (iii) दादी/नानी सास (Grand mother-in-law)
एक पीढ़ी ऊपर ↑	(i) पिता (Father) (ii) ताऊ, चाचा, फूफा (Uncle) (iii) मामा, मौसा (Maternal uncle) (iv) ससुर (Father-in-law)	(i) माता (Great grand mother) (ii) ताई, चाची, बुआ (Aunt) (iii) मामी, मौसी (Maternal aunt) (iv) सास (Mother-in-law)
स्वयं की पीढ़ी →	(i) पति (Husband) (ii) भाई (Brother) (iii) चचेरा, फूफेरा, ममेरा, मौसेरा भाई (Cousin) (iv) बहनोई, साढ़ू, साला, देवर, जेठ, ननदोई (Brother-in-law)	(i) पत्नी (Wife) (ii) बहन (Sister) (iii) चचेरी, फूफेरी, ममेरी, मौसेरी बहन (Cousin) (iv) भाभी, भाई-बहू, बडसास, साली, सालाहेली, ननद, जेठानी, देवरानी (Sister-in-law)
एक पीढ़ी नीचे ↓	(i) पुत्र (Son) (ii) भतीजा, भांजा ( भगीना ) (Nephew) (iii) दामाद (Son-in-law)	(i) पुत्री (Daughter) (ii) भतीजी, भांजी ( भगीनी ) (Niece) (iii) पुत्रवधू (Daughter-in-law)
दो पीढ़ी नीचे ↓↓	(i) पोता, नवासा, दोड़ता, नाती (Grand son) (ii) पोती या नातीन का पति (Grand son-in-law)	(i) पोती, नवासी, दोड़ती, नातिन (Grand daughter) (ii) पोता या नाती का पत्नी (Grand daughter-in-law)
तीन पीढ़ी नीचे ↓↓↓	(i) परपोता, परनाती (Great grand son) (ii) परपोती या परनातिन (Great grand son-in-law)	(i) परपोती, परनातिन (Grand daughter) (ii) परपोता या परनाती की पत्नी (Great grand daughter-in-law)